C.S.J.M. UNIVERSITY, KANPUR

B.A. HINDI LITRATURE

सी0एस0जे0एम0 वि0वि0 कानपुर

बी0ए0 हिन्दी पाठ्यक्रम

उद्देश्य–

- छात्रों में साहित्य को समझने, उसका आस्वादन करने तथा मूल्यांकन करने की दृष्टि बढ़ाना।
- हिंदी साहित्य की प्राचीन व आधुनिक गद्य, पद्य विधाओं का तात्विक परिचय कराना।
- साहित्यिक प्रवृत्तियों के संदर्भ में विभिन्न साहित्य विधाओं के विकासक्रम का परिचय देना।
- साहित्यिक कृतियों का विविध दृष्टियों से विवेचन–विश्लेषण, आस्वादन तथा समीक्षा करने की दृष्टि देना।
- साहित्यकारों के साहित्यिक व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय कराना तथा साहित्य के लिए उनके योगदान पर प्रकाश डालना।
- हिंदी भाषा की व्यावहारिक उपयोगिता का परिचय देना।

बी0ए0 ;हिन्दी साहित्यद्ध पाठ्यक्रम
बी0ए0 ;प्रथम वर्षद्ध

प्रथम प्रष्न पत्र : प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य पूर्णांक : 50

द्वितीय प्रष्न पत्र : नाट्य साहित्य पूर्णांक :

50

बी0ए0 ;द्वितीय वर्षद्ध

प्रथम प्रष्न पत्र : आधुनिक काव्य पूर्णांक : 50

द्वितीय प्रष्न पत्र : कथा साहित्य पूर्णांक : 50

बी0ए0 ;तृतीय वर्षद्ध

प्रथम प्रष्न पत्र : छायावादोत्तर काव्य पूर्णांक :

50

द्वितीय प्रष्न पत्र : हिन्दी निबन्ध तथा अन्य गद्य विधायें पूर्णांक :

50

तृतीय प्रष्न पत्र : हिन्दी की क्षेत्रीय भाषा एवं साहित्य पूर्णांक :

50

बी0ए0 ;प्रथम वर्षद्ध हिन्दी पाठ्यक्रम
प्रथम प्रष्न पत्र
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

निर्धारित कवि–

कबीर– कबीर ग्रंथावली– 50 साखी, सं0 पारस नाथ तिवारी

जायसी– पद्मावत का मानसरोदक खण्ड– रामचंद्र शुक्ल

सूरदास– सूरसागर– प्रारंभिक 25 पद, सं0 धीरेन्द्र वर्मा

तुलसीदास– रामचरित मानस का अयोध्या कांड (केवल चित्रकूट प्रसंग)

बिहारी– बिहारी सतसई के प्रारंभिक– 50 दोहे

घनानन्द– घनानंद कवित्त– प्रारम्भिक 25 छन्द

द्रुत पाठ– सरहपा, अब्दुर्ररहमान, चन्दवरदाई, अमीर खुसरो।

प्रथम प्रश्न– (क) अनिवार्य दस वस्तुनिष्ठ/लघूत्तरी प्रश्न। (प्रथम पत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)

(10×1त्र10)

(ख) अनिवार्य पांच लघूत्तरी प्रश्न। (प्रश्न पत्र के द्रुत पाठ के पाठ्यक्रम से)

(10×1त्र10)

इकाई–1. कबीरदास, जायसी, सूरदास, तुलसीदास के निर्धारित काव्यांशों से सम्बन्धित व्याख्या।

(10×1त्र10)

इकाई–2. बिहारी, भूषण, घनानंद के निर्धारित काव्यांशों से सम्बन्धित व्याख्या।

(2×4त्र8)

इकाई–3. कबीर, जायसी, सूरदास, तुलसीदास पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। (7×1त्र7)

इकाई–4. बिहारी, भूषण, घनानन्द पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न। (7×1त्र7)

सन्दर्भ / सहायक पुस्तकें–

01– कबीर एक अनुशीलन– डॉ0 रामकुमार वर्मा

02– कबीर की विचारधारा– डॉ0 त्रिगुणायत–साहित्य निकेतन कानपुर

03– कबीर व्यक्तित्व एवं कृतित्व– चंद्रमोहन सिंह, ज्ञान लोक इलाहाबाद

04– कबीर साहित्य की परख– आचार्य परशुराम चतुर्वेदी– भारती भण्डार, इलाहाबाद

05– कबीर– हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल, दिल्ली

06– कबीर– विजयेन्द्र स्नातक, राधा कृष्ण, दिल्ली

07– कबीर की भाषा– माताबदल जायसवाल–विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी

08– सूर साहित्य : हजारी प्रसाद द्विवेदी– विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी

09– सूरदास और उनका साहित्य– हरबंश लाल शर्मा– भारत प्रकाश मंदिन अलीगढ़

10– सूरदास और उनका काव्य– गोवर्द्धन लाल शुक्ल– ब्रज साहित्य मंडल, मथुरा

11– सूर की काव्य साधना– गोविन्द राम शर्मा– नेशनल पब्लिशिंग हाउस नई दिल्ली

12– सूर की काव्य कला– मनमोहन गौतम– एस चंद एण्ड संस दिल्ली

13– सूर सौरभ– मुंशी राम शर्मा– ग्रन्थम, कानपुर

14– महाकवि सूरदास– जय किशन प्रसाद खण्डेलवाल रवीन्द्र प्रकाशन, आगरा

15– त्रिवेणी– रामचन्द्र शुक्ल– नागरी प्रचारिणी सभा काशी

16– गोस्वामी तुलसीदास– रामचन्द्र शुक्ल– नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

17– तुलसी मानस रत्नाकर– भग्यवती सिंह– सरस्वती पुस्तक सदन माता कटरा आगरा

18– तुलसीदास और उनका काव्य रामनरेश त्रिपाठी– राजपाल एण्ड संस दिल्ली

19– तुलसी दर्शन– बलदेव प्रसाद मिश्र, हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग

20– तुलसी रसायन– भगीरथ मिश्र– साहित्य भवन इलाहाबाद

21– तुलसी– उदयभानु सिंह– राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

22– जायसी का पद्मावत : काव्य तथा दर्शन– गोविन्द त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर

23– जायसी के पद्मावत का मूल्यांकन– जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव, स्मृत प्रकाशन, इलाहाबाद

24– जायसी का काव्य– सरोजनी पाण्डेय– हिमालय पाकेट बुक्स, दिल्ली

25– हमारे कवि– राजेन्द्र सिंह

26– बिहारी की वाग्विभूति– विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

27– बिहारी और उनका साहित्य– हरबंशलाल शर्मा

28– कवित्रयी– (बिहारी, देव, घनानंद) गिरीश चन्द्र तिवारी पुस्तक प्रचार, दिल्ली

29– बिहारी और घनानंद– परमलाल गुप्त

30– बिहारी का काव्य : आनन्द मंगल

काव्य शास्त्र–

01– अलंकार पारिजात : नरोत्तम स्वामी– लक्ष्मी नारायण अग्रवाल प्रकाशन आगरा

02– नूतन काव्य प्रकाश– डॉ0 उपेन्द्र त्रिपाठी– साहित्य रत्नालय, कानपुर

03– काव्य कौमुदी– डॉ0 बालकृष्ण गुप्त, साहित्य निकेतन कानपुर

04– अलंकार, रस, छन्द, परिचय– भारत भूषण त्यागी, लायल बुक डिपो, ग्वालियर

05– काव्य लोक गोपीनाथ शर्मा, किताब महल, इलाहाबाद

06– काव्य के रूप– गुलाब राय– आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली

बी0ए0 ;प्रथम वर्षद्ध हिन्दी साहित्य पाठ्यक्रम
द्वितीय प्रश्न पत्र
हिन्दी नाट्य साहित्य

पूर्णांक : 50

निर्धारित पाठ्यक्रम–

(क) नाटक– ध्रुवस्वामिनी– जयशंकर प्रसाद

आषाढ़ का एक दिन– मोहनराकेश

(ख) एकांकी सप्तक – औरंगजेब की आखिरी रात– डॉ0 रामकुमार वर्मा,

स्ट्राइक– भुवनेश्वर

भोर का तारा— जगदीश चन्द्र माथुर

मम्मी ठकुराइन— लक्ष्मी नारायण लाल

नये मेहमान— उदयशंकर भट्ट

सूखी डाली— उपेन्द्रनाथ 'अश्क'

सीमा रेखा— विष्णु प्रभाकर

द्रुत पाठ— भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, हरिकृष्ण प्रेमी, लक्ष्मीनारायण मिश्र, धर्मवीर भारती

प्रथम प्रश्न— (क) अनिवार्य दस वस्तुनिष्ठ/लघूत्तरी प्रश्न। (प्रथम पत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)

(10×1त्र10)

(ख) अनिवार्य पांच लघूत्तरी प्रश्न। (प्रश्न पत्र के द्रुत पाठ के पाठ्यक्रम से)

(5×2त्र10)

इकाई—1. नाटकों पर निर्धारित व्याख्याएँ। (2×4त्र8)

इकाई—2. एकांकियों पर निर्धारित व्यायाख्याएँ।

(2×4त्र8)

इकाई—3. ध्रुवस्वामिनी एवं आषाढ़ का एक दिन से निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न।

(7×1त्र7)

इकाई—4. निर्धारित एकांकियों एवं एकांकीकारों से सम्बन्धित आलोचनात्मक प्रश्न।

(7×1त्र7)

सन्दर्भ/सहायक पुस्तकें—

01— हिन्दी नाटक : इतिहास के सोपान— गोविन्द चातक, तक्षशिला, प्रकाशन, नई दिल्ली

02— हिन्दी नाटक : आजकल— जयदेव तनेजा, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली

03— आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच— लक्ष्मी नारायण लाल, साहित्य भवन, इलाहाबाद

04– हिन्दी नाटक– बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

05– आधुनिक हिन्दी नाट्यकारों के सिद्धानत– निर्मला हेमन्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

06– प्रसाद के नाटक : सृजनात्मक धरातल और भाषिक चेतना– गोविन्द चाक, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली

07– नाटककार जगदीश चंद्र माथुर– गोविन्द चातक, राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

08– हिन्दी एकांकी की शिल्प विधि का विकास– सिद्धनाथ कुमार

09– प्रतिनिधि जयशंकर प्रसाद– (सं0) सत्येन्द्र तनेजा, राधा कृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

10– हिन्दी एकांकी का रंगमंचीय अनुशीलन– भुवनेश्वर महतो अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर

11– हिन्दी नाटक : मिथक एवं यथार्थ रमेश गौतम

12– एकांकी और एकांकीकार– रामचरण महेन्द्र

13– हिन्दी नाटक– दरशरथ ओझा

14– ध्रुवस्वामिनी– वस्तु एवं शिल्प– सुरेश नारायण

15– प्रसाद की नाट्यकला– सुजाता विष्ट

बी0ए0 ;द्वितीय वर्षद्ध
हिन्दी साहित्य पाठ्यक्रम
प्रथम प्रश्न पत्र आधुनिक हिन्दी काव्य

पूर्णांक : 50

निर्धारित कवि–

मैथिलीशरण गुप्त– साकेत का अष्टम सर्ग

जयशंकर प्रसाद– कामायनी का श्रद्धा सर्ग

सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला– सरोज स्मृति

सुमित्रानन्दन पन्त– नौका विहार, जगत के जीर्ण पत्र, बादल, मौन नियंत्रण, सोन जुही

महादेवी वर्मा– नीर भरी दुख की बदली, मधुर मधुर मेरे दीपक जल, शलभ मैं शाप मैं वर हूँ, कौन तुम मेरे हृदय में, तोड़ दो तुम यह क्षितिज

रामधारी सिंह दिनकर– कुरुक्षेत्र का छठा सर्ग

द्रुत पाठ– श्रीधर पाठक, माखनलाल चतुर्वेदी, बालकृष्ण शर्मा 'नवीन', सुभद्रा कुमारी चौहान

प्रथम प्रश्न– (क) अनिवार्य दस वस्तुनिष्ठ/लघूत्तरी प्रश्न। (प्रथम पत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)

(10×1त्र10)

(ख) अनिवार्य पांच लघूत्तरी प्रश्न। (प्रश्न पत्र के द्रुत पाठ के पाठ्यक्रम से)

(5×2त्र10)

इकाई–1. मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद तथा सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला के निर्धारित काव्यांशों से व्याख्याएँ।

(2×4त्र8)

इकाई–2. सुमित्रानन्दन पन्त, महावेदी वर्मा तथा रामधारी सिंह दिनकर के निर्धारित काव्यांशों से व्याख्याएँ

(2×4त्र8)

इकाई–3. मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद तथा सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।

(7×1त्र7)

इकाई–4. सुमित्रानन्दन पन्त, महादेवी वर्मा तथा रामधारी सिंह दिनकर पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।

(7×1त्र7)

सन्दर्भ / उपयोगी ग्रन्थ –

01– आधुनिक कवियों का काव्य साधना– राजेन्द्र सिंह और गौड़– श्रीराम मेहरा एण्ड संस, आगरा।

02– हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि– द्वारिका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

03– आधुनिक हिन्दी काव्य के नवरत्न– रमेश चन्द्र शर्मा, सरस्वती प्रकाशन, कानपुर

04– छायावादी कवियों की गीत दृष्टि– डॉ0 उपेन्द्र, युगवाणी प्रकाशन कानपुर

05– प्रसाद का काव्य– प्रेम शंकर

06– प्रसाद की कला– गुलाबराय

07– प्रसाद की कविता– भोलानाथ तिवारी, साहित्य भवन, इलाहाबाद

08– प्रसाद– रामरतन भटनागर

09– प्रसाद– नन्द दुलारे बाजपेयी

10– पंत का काव्य– डॉ0 उपेन्द्र– हिमालय पाकेट बुक्स, दिल्ली

11– पंत जी का नूतन काव्य दर्शन– डॉ0 विश्वम्भर उपाध्याय

12– सुमित्रानंदन पन्त– डॉ0 नगेन्द्र– नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

13– पंत का काव्य– प्रेमलता बाफना

14– सुमित्रानन्दन– शची रानी गुर्टू

15– छायावदी कविता की आलोचना : स्वरूप और मूल्यांकन– डॉ0 ओम प्रकाश सिंह, अराधना ब्रदर्स, कानपुर

16– पंत की काव्य साधना– रमेशचन्द्र शर्मा एवं क0ला0 अवस्थी साहित्य निकेतन, कानपुर

17– युग कवि निराला– राममूर्ति शर्मा, साहित्य निकेतन, कानपुर

18– युग कवि निराला– रजनीकांत लहरी उन्नाव

19– निराला की काव्य साधना– वीणा शर्मा

20– निराला का काव्य– डॉ0 नगेन्द्र

21– निराला का पुनर्मूल्यांकन– धनंजय वर्मा

22– निराला के साहित्यिक संस्कार– शिव कुमार दीक्षित, साहित्य रत्नालय, कानपुर

23– निराला– इन्द्रनाथ मदान

24– मैथिलीशरण गुप्त– आनंद प्रकाश दीक्षित

25– महादेवी : कवि एवं गद्यकार– गौतम

26– महादेवी की काव्य साधना– 'सुमन'

27– महादेवी– इन्द्रनाथ मदान

28– छायावाद और महादेवी– नंद कुमार राय

29– महादेवी की काव्य चेतना– राजेन्द्र मिश्र

30– पंत : कवि और काव्य– शरदालाल– तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली

31– यशोधरा का काव्य संदर्भ– बड़सूवाला, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली

32– महादेवी का काव्य सौन्दर्य– राजपाल हुकुम चन्द्र

33– अपरा–निराला– भारती भंडार, इलाहाबाद

34– रश्मि लोक–दिनकर–हिन्दी बुक सेंटर, दिल्ली

बी0ए0 ;द्वितीय वर्षद्ध
हिन्दी साहित्य पाठ्यक्रम
द्वितीय प्रश्न पत्र– हिन्दी कथा साहित्य

पूर्णांक : 50

निर्धारित पाठ्यक्रम–

(क) उपन्यास– चित्रलेखा– भगवतीचरण वर्मा,

रागदरबारी– श्रीलाल शुक्ल

(ख) कहानी– कफन– प्रेमचन्द,

गुण्डा– प्रसाद

यही सच है– मन्नू भण्डारी

चीफ की दावत– भीष्म साहनी,

मारे गये गुलफाम उर्फ तीसरी कसम– फणीश्वर नाथ रेणु

राजा निरवंसिया– कमलेश्वर

पचीस चौका डेढ़ सौ– ओमप्रकाश वाल्मीकि

प्रथम प्रश्न– (क) अनिवार्य दस वस्तुनिष्ठ/लघूत्तरी प्रश्न। (प्रथम पत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)

(10×1त्र10)

(ख) अनिवार्य पांच लघूत्तरी प्रश्न। (प्रश्न पत्र के द्रुत पाठ के पाठ्यक्रम से)

(5×2त्र10)

इकाई–1. उपन्यासों की निर्धारित व्याख्याएँ (2×4त्र8)

इकाई–2. निर्धारित कहानियों से व्याख्याएँ

(2×4त्र8)

इकाई–3. उपन्यासों पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न

(7×1त्र7)

इकाई–4. कहानियों पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न

(7×1त्र7)

सन्दर्भ/सहायक पुस्तकें –

01– हिन्दी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ– शशि भूषण सिंहल

02– हिन्दी उपन्यास पहचान एवं परख– इन्द्रनाथ मदान

03– आधुनिक हिन्दी उपन्यास– भीष्म साहनी

04– हिन्दी उपन्यास एवं यथार्थवाद– त्रिभुवन सिंह– हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी

05– उपन्यास के तत्व– श्री नारायण अग्निहोत्री– हिमालय पाकेट बुक्स दिल्ली

06– उपन्यास और लोकजीवन– रेल्फ फॉक्स पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

07– उपन्यास : शिल्प और प्रवृत्तियाँ– डॉ0 सुरेश सिन्हा

08– हिन्दी उपन्यास– डॉ0 सुषमा धवन

09– हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास– डॉ0 प्रताप नारायण टण्डन

10– हिन्दी उपन्यासों में चरित्र चित्रण का विकास– डॉ0 रणवीर राणा

11– कहानी कला : सिद्धान्त और विकास– डॉ0 सुरेश चन्द्र शुक्ल– हिमालय पाकेट बुक्स, दिल्ली

12– आज की हिन्दी कहानी– डॉ0 धनंजय, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद

13– कहानी का रचनाविधान– डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद शर्मा– हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी

14– नयी कहानी : परिवेश एवं परिप्रेक्ष्य– डॉ0 रामकली सराफ विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक वाराणसी

15– कुछ हिन्दी कहानियाँ : कुछ विचार– विश्वनाथ त्रिपाठी– राजकमल नई दिल्ली

16– हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ– सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण, दिल्ली

17– हिन्दी कहानियों की शिल्प विधि का विकास– लक्ष्मीनारायण लाल– साहित्य भवन, इलाहाबाद

बी0ए0 ;तृतीय वर्षद्ध
हिन्दी साहित्य पाठ्यक्रम
प्रथम प्रश्न पत्र अद्यतन काव्य

पूर्णांक : 50

निर्धारित कवि–

1– सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'– नदी के द्वीप, एक बूंद सहसा उछली, मैं वह धन हूँ, जो कहा नहीं गया, सबेरे सबेरे तुम्हारा नाम

2– नागार्जुन– कालीदास सच–सच बतलाना, बादल को घिरते देखा, बहुत दिनों बाद, प्रेत का बयान, सत्य

3– भवानी प्रसाद मिश्र– गीत फरोश, फूल कमल के, नई इबारत, सन्नाटा

4– मुक्तिबोध– भूल गलती, सुनसान चौराहा, भागता मैं दम तोड़, रात में पीले हैं, हाय हाय पितः

5– त्रिलोचन शास्त्री– बिख बोले अमिर्त कोउ, धइ–धई फेकइं, अपने घर में मकुनिउ, मन जेतनइ निक, सोच काउ देह केउ अन्हियारे।

द्रुत पाठ– केदारनाथ अग्रवाल, शिवमंगल सिंह 'सुमन', दुष्यन्त कुमार, आलोक धन्वा

प्रथम प्रश्न– (क) अनिवार्य दस वस्तुनिष्ठ/लघूत्तरी प्रश्न। (प्रथम पत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)

(10×1¬10)

(ख) अनिवार्य पांच लघूत्तरी प्रश्न। (प्रश्न पत्र के द्रुत पाठ के पाठ्यक्रम से)

(5×2¬10)

इकाई–1. अज्ञेय, शमशेर बहादुर सिंह, नागार्जुन के निर्धारित काव्यांशों से व्याख्याएँ।

(2×4¬8)

इकाई–2. भवानी प्रसाद मिश्र, मुक्तिबोध के निर्धारित काव्यांशों से व्याख्याएँ।

(2×4¬8)

इकाई–3. अज्ञेय, शमशेर बहादुर सिंह, नागार्जुन पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।

(7×1¬7)

इकाई–4. भवानी प्रसाद मिश्र, मुक्तिबोध, धर्मवीर भारती, नरेश मेहता पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।

(7×1¬7)

अनुमोदित पुस्तकें –

01– युग चारण दिनकर– सावित्री सिंह, राधा कृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

02— दिनकर के काव्य में मानवतावादी प्रेम चेतना— मधुबाला, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली

03— अज्ञेय का रचना संसार— रामस्वरूप चतुर्वेदी

04— अज्ञेय और रचना की समस्या— रामस्वरूप चतुर्वेदी, नई दिल्ली

05— भवानी प्रसाद मिश्र की काव्य यात्रा— संतोष कुमार तिवारी

06— कविता यात्रा : रत्नाकर के रघुबीर सहाय— रामस्वरूप चतुर्वेदी, मैकमिलन

07— नया काव्य, नये मूल्य— ललित शुक्ल— मैकमिलन

08— नई कविता और अस्तित्ववाद— रामविलास शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

09— शमशेर की कविता— नरेन्द्र वशिष्ठ, नई दिल्ली

10— नई कविता : स्वरूप और समस्यायें— जगदीश गुप्ता

11— कविता के नये प्रतिमान— नामवर सिंह

12— नागार्जुन की काव्य यात्रा— रतन कुमार पाण्डेय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

13— नागार्जुन का काव्य— चन्द्र हाउस सिंह, राधा कृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

14— अज्ञेय : विचार एवं कविता— राजेन्द्र मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली

15— आधुनिक हिन्दी कविता— बिम्ब विधान— केदारनाथ सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

16— समकालीन हिन्दी कविता— विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

17— समकालीन हिन्दी साहित्य : विविध परिदृश्य— रामस्वरूप चतुर्वेदी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

18— समकालीन हिन्दी कविता— ए0 अरविन्दाक्षन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

19— पाश्चात्य साहित्य सिद्धान्त एवं विविधवाद— गायकवाड़, साहित्य रत्नालय, कानपुर

20— काव्य शास्त्रः विविध आयाम— मधुखराटे, विद्या प्रकाशन, कानपुर

21– पाश्चात्य काव्य शास्त्र– भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

22– सर्जना के क्षण–अज्ञेय– भारतीय साहित्य प्रकाशन, मेरठ

23– नागार्जुन की कविता– अजय तिवारी

बी0ए0 ;तृतीय वर्षद्ध
हिन्दी साहित्य पाठ्यक्रम
द्वितीय प्रश्न पत्र– हिन्दी निबन्ध तथा अन्य गद्य विधायें

पूर्णांक : 50

निर्धारित पाठ्यक्रम–

(क) निबन्ध– शिवशम्भु के चिट्ठे– बालमुकुंद गुप्त

कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता– आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी

लज्जा और ग्लानि– आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

कुटज– आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

छायावाद– नंद दुलारे बाजपेयी

तुम चंदन हम पानी– विद्या निवास मिश्र

सौन्दर्य की उपयोगिता– रामविलास शर्मा

(ख) गद्य विधायें– भक्तिन– महादेवी वर्मा

सुधियाँ उस चन्दन वन की– विष्णुकान्त शास्त्री

अपोलो का रथ– श्रीकान्त वर्मा

ज्योति पुंज हिमालय– विष्णु प्रभाकर

अपनी–अपनी हैसियत– हरिशंकर परसाई

प्रथम प्रश्न– (क) अनिवार्य दस वस्तुनिष्ठ/लघूत्तरी प्रश्न। (प्रथम पत्र के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)

(10×1त्र10)

(ख) अनिवार्य पांच लघूत्तरी प्रश्न। (प्रश्न पत्र के द्रुत पाठ के पाठ्यक्रम से)

(5×2त्र10)

इकाई–1. निर्धारित निबन्धों की व्याख्याएँ

(2×4त्र8)

इकाई–2. निर्धारित गद्य विधाओं की व्याख्याएँ।

(2×4त्र8)

इकाई–3. निर्धारित निबन्धों पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न

(7×1त्र7)

इकाई–4. निर्धारित गद्य विधाओं पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न

(7×1त्र7)

सहायक पुस्तकें –

01– हिन्दी का गद्य साहित्य– रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

02– हिन्दी के प्रतिनिधि निबन्धकार– द्वारिका प्रसाद सक्सेना

03– हिन्दी निबंधकार– नलिन जयनाथ

04– हिन्दी निबन्ध के आधार स्तम्भ– डॉ0 हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली

05– प्रतिनिधि हिन्दी निबन्धकार– तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली

06– साहित्य में गद्य की नई विधायें– कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली

07– हिन्दी रेखाचित्र– डॉ0 हरवंश लाल वर्मा, हिन्दी समिति उ0प्र0 लखनऊ

08– स्वातन्त्र्योत्तर हिन्दी व्यंग्य निबंध एवं निबंधकार– डॉ0 बापूराव देसाई, चिंतन प्रकाशन, नौबस्ता, कानपुर

09– हिन्दी साहित्य में निबंध एवं निबंधकार– डॉ0 गंगा प्रसाद गुप्त

10– हिन्दी की हास्य व्यंग्य विधा का स्वरूप एवं विकास– इन्द्रनाथ मदान

11– हिन्दी के व्यक्तिक निबंध– रामचरण महेन्द्र

12– साहित्यिक विधायें : पुनर्विचार– हरिमोहन

बी0ए0 ;तृतीय वर्षद्ध
तृतीय प्रश्न पत्र
हिन्दी की क्षेत्रीय भाषाएं और साहित्य

पूर्णांक : 50

(**टिप्पणी**– प्रत्येक विश्वविद्यालय अपने क्षेत्र विशेष के आधार पर निम्नलिखित में से एक विभाषा का पाठ्यक्रम लागू करेगा।)

पाठ्य विषय–

क– अवधी / ब्रजभाषा / बुन्द्रली / भोजपुरी साहित्य का विकास

(2×5त्र10)

ख– अवधी / ब्रजभाषा / बुन्देली / भोजपुरी लोक साहित्य का विकास

(2×5त्र10)

ग– अवधी / ब्रजभाषा / बुन्देली / भोजपुरी रचनाकार तथा कृतियाँ

(2×5त्र10)

घ– व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्नों हेतु निम्नांकित रचनाकार एवं उनके पाठ्यांश पढ़े जायेंगे।

अवधी–

1– पढ़ीस– महतारी, बेटउनी, आवा बसंत छावा बसंत, पपीहा बोलि जा रे, जमींदारी ठाठ

2– वंशीधर शुक्ल– राम मड़ैया, फूलन की बगिया, दाता, चौमासा, किसान की दुनिया

3– द्वारिका प्रसाद मिश्र– कृष्णायन का गीता खण्ड

4– डॉ0 रमई काका– हिन्दी गौरव, महात्मा गांधी, गोहार, जमाना, कलियुग केरि कहानी

ब्रज–

1– सत्यनारायण 'कविरत्न'– भ्रमर दूत से पाँच स्तवक

2– गया प्रसाद शुक्ल 'सनेही'– प्रेम पचीसी के प्रारंभिक बीस छन्द

3– जगन्नाथ रत्नाकर– उद्दव शतक के प्रारंभिक बीस छन्द

4– डॉ0 जगदीश गुप्त– छन्दशती के प्रारंभिक बीस छन्द

बुन्देली–

1– जगनिक– आल्हा–मनौआ खण्ड

2– ईसुरी– प्रारंभिक बीस फागे,

3– गंगाधर व्यास– प्रारंभिक बीस फाग

4– हयारण मित्र– 20 कविताएं

भोजपुरी–

1– कबीर ग्रन्थावली – सम्पादक श्याम सुन्दर दास

(क) रमैनी – प्रारम्भिक 10 पद

(ख) पदावली – प्रारम्भिक 10 पद

2– चंद्रशेखर मिश्र– द्रौपदी खण्ड काव्य

3– कैलाश गौतम– अमौसा का मेला, कचेहरी, गुलबिया की चिट्ठी

4– मोती बी0ए0– सेमर कै फूल, महुआ बारी में बहार, मृग तृष्णा, मृग कास्तूरी, वन–वन बोले ले कोइलिया

सहयोगी पुस्तकें–

01– अवधी कवि और उनका काव्य – श्याम सुन्दर मिश्र 'मधुप'

02— अवधी भाषा और साहित्य — ज्ञान शंकर पाण्डेय

03— अवधी के प्रतिनिधि कवि — ओम प्रकाश त्रिवेदी

04— अवध और अवधी : विविध आयाम— राजबहादुर द्विवेदी

05— अवधी की राष्ट्रीय कवितायें— श्याम सुन्दर मिश्र 'मधुप'

06— अवधी का गद्य साहित्य— गणेश मिश्र

07— अवधी ग्रन्थावली— 10 खण्ड वाणी प्रकाशन, दिल्ली

08— अवधी साहित्य : सर्वेक्षण और समीक्षा— जगदीश पीयूष— अवधी अकादमी छत्रपति शाहू जी महाराज नगर

09— अवधी लोक वांगमय— डॉ0 सूर्य प्रसाद दीक्षित— सुलभ प्रकाशन लखनऊ

10— अवधी का विकास— डॉ0 बाबूराम सक्सेना— हिन्दुस्तान अकादमी

11— अवधी भाषा एवं साहित्य का इतिहास प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव— भवदीय प्रकाशन, अयोध्या

12— अवधी त्रिधारा— डॉ0 राम बहादुर मिश्र— सुलभ प्रकाशन लखनऊ

13— अवधी भाषा एवं साहित्य सम्पदा— सूर्य प्रसाद दीक्षित, सुलभ प्रकाशन, लखनऊ

नोट—

पाठ्यक्रम में समावेश किये गए रचनाकारों को प्रस्तावित कविताओं/काव्यांशों के पाठ विद्यार्थियों को उपलब्ध कराने की दृष्टि से स्वतंत्र संग्रह प्रकाशित करने का प्रस्ताव भी पाठ्यक्रम समिति की इस बैठक में किया गया।